भाकृअनूप - राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 753 006

कृषि सलाहकार सेवा

कोई भी कृषि कार्य करने से पहले स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार कोविड -19 दिशानिर्देशों का पालन करें

फरवरी 2021 के प्रथम पखवाड़े की रणनीतियाँ

(1) शीतकालीन चावल (सरद धान)

- *किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खरीफ चावल फसल के पुआल या अवशेषों को न जलाएं।*
- *फसल की कटाई के बाद दौनी करके खपत के लिए धान के दानों को 14% नमी की मात्रा में धूप में सुखाया जाना चाहिए और बीजों के बेहतर भंडारण अवधि के लिए उन्हें 12% नमी तक सूखना चाहिए। उपज की बेहतर कीमत के लिए तथा मिश्रण के बिना प्रत्येक किस्म को अलग-अलग पैक करें।*

• *धान / चावल के सुरक्षित भंडारण के लिए, 'सुपर ग्रेन बैग 'का उपयोग करें, जो वस्तुओं की गुणवत्ता, बनावट, रंग,*
सुगंध और स्वाद को अधिक समय तक बनाए रखने के लिए सहायक है।

• *भंडारित अनाजों में संक्रमण होने के तुरंत बाद, एल्यूमीनियम फॉस्फाइड 3 गोलियाँ / टन अनाज (कुल 9 ग्राम) गोलियाँ) दर से उपयोग करके अच्छी तरह से हवाबंद कंटेनरों में धूमक दें (आवास गृहों में उपयोग न करें) या बिना जगह छोड़े अनाज की बोरियों को मोटी तिरपाल से ढक दें। गोलियों को स्टैक में रखने से पहले कपास के पाउच में लपेटा जाना चाहिए, जो धूमन को पूरा करने के बाद अवशेष को हटाने में मदद करता है। गैस का रिसाव रोकने के लिए प्लास्टिक कवर के सभी कोनों को मिट्टी / रेत / चिपकने वाली टेप की 6 इंच मोटी परत के साथ प्लास्टर किया जाना चाहिए। बेहतर परिणाम के लिए लगभग 7-10 दिनों की बिना ढके हुए रखें।*

2) प्रतिरोपित ग्रीष्मकालीन चावल
नर्सरी

- *यदि धान की नर्सरी में थ्रिप्स का संक्रमण देखा जाता है, तो एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित 800 मिली / एकड़ दर से ईसी घोल छिड़काव करें या लैम्ब्डा-साइहेलोथ्रिन 5% 200 मिली / एकड़ दर से या थियामेथोक्साम 25% डब्ल्यूजी 40 ग्राम / एकड़ दर से ईसी घोल छिड़काव करें।*

- *यदि अंकुरित पौधों में आच्छद दिखाई दे, तो कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम / 1 लीटर पानी या प्रोपिकोनाजोल 1 मिली / 1 लिटर पानी की दर से डालें।*

फसल जो मुख्य खेत में रोपाई नहीं की गई है

- *3-4 सप्ताह वाली अंकुरित पौधों का उपयोग करके कीचड़दार मिट्टी में 15 सेमी X 15 सेमी की दूरी पर कम गहराई में 3-4 पौध प्रति पूंजा के साथ शुष्क मौसम धान की रोपाई करें।*

- *जीवाणुज अंगमारी संक्रमण वाले क्षेत्रों में, अंकुरित पौधों की जड़ों को रोपाई करने के 30 मिनट पहले 0.1% प्लांटोमाइसिन के घोल में डुबोएं।*
- *अंतिम बार कीचड़दार बनाने के दौरान डीएपी 44 किलोग्राम + एमओपी 22 किलोग्राम) या (यूरिया 22 किलोग्राम + एसएसपी 125 किलोग्राम + एमओपी 22 किलोग्राम) को आधारी मात्रा के रूप में प्रयोग करें।*

रोपाई की गई फसल के लिए

- *प्रतिरोपित ग्रीष्मकालीन चावल में, रोपाई के 5-8 दिन बाद दानेदार शाकनाशी बेंसल्फुरॉन मिथाइल + प्रीटिलाक्लोर (लोंडाक्स) पावर/इरेज़ स्ट्रॉन्ग) 4 किग्रा/ एकड़ दर से प्रयोग करें। दानेदार शाकनाशी को 4 किलोग्राम रेत / एकड़ के साथ मिलाएं और इसे खेत में समान रूप से छिटककर प्रयोग करें या रोपाई करने के 3-5 दिनों बाद पाइराजोसल्फ्यूरन इथाइल 10 डब्ल्यूपी (साथी) 80 ग्राम / एकड़ दर से 140 लीटर पानी में छिड़काव करें या रोपाई करने के 10-15 दिनों बाद बाइस्पिरीबैक सोडियम (नोमिनीगोल्ड) 120 मिली / एकड़ की दर से छिड़काव करें या खरपतवारों की 2-3 पत्ती निकलने की अवस्था में 140 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।*
- *खेत में पीला तना छेदक या पत्ता मोड़क की निगरानी के लिए 3 फीरोमोन जाल प्रति एकड़ बिठाएं। जब पीला तना छेदक के नर कीट 4 या 5 प्रति जाल हो जाएं, तो एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित 800 मिली/एकड़ दर से ईसी घोल छिड़काव करें या छिटकावा पद्धति से दानेदार कीटनाशक क्लोरानट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा / एकड़ प्रयोग करें या कारटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी 10 किग्रा/ एकड़ की दर से रेत में मिलाकर 1:1 अनुपात में या 200 लीटर पानी में क्लोरानट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली / एकड़ दर से का छिड़काव करें।*

- *यदि फसल में बकाने रोग देखी जाती है, तो कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 1 ग्राम प्रति लीटर पानी दर से छिड़काव*

करें और 7-10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं।

पहले से खड़ी प्रतिरोपित चावल फसल

- *रोपाई के 20-25 दिन बाद दौजी निकलने की अवस्था में आधारी खुराक के रूप में प्रति एकड़ 35 किलोग्राम यूरिया का टॉप ड्रेसिंग करें।*
- *यदि पूर्व-आविर्भाव शाकनाशियों का प्रयोग नहीं किया गया है, रोपाई के 15-20 दिनों बाद चौड़े पत्ते वाले खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए आविर्भाव-पश्चात शाकनाशी पेनोक्सुलम 1.02% + साइहालोफोप बुटाइल 5.1% (विवाया) 800 मिली/एकड़ दर पर प्रयोग करें या रोपाई के 20-25 दिन बाद हाथों से निराई करें।*
- *पीला तना छेदक कीटों की निगरानी लगातार की जानी चाहिए। जब पीला तना छेदक के नर कीट 4 या 5 प्रति जाल हो जाएं, तो एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित 800 मिली/एकड़ दर से ईसी घोल छिड़काव करें या क्लोरानट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा / एकड़ प्रयोग करें या कारटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी 10 किग्रा/ एकड़ की दर से रेत में मिलाकर 1:1 अनुपात में या 200 लीटर पानी में क्लोरानट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली / एकड़ दर से का छिड़काव करें।*

2.2 आर्द्र सीधी बुआई चावल

- *उचित फसल स्थापना और रोपाई के शुरुआती विकास के लिए पानी की एक पतली स्तर खेत में बनाए रखें।*
- *यदि पूर्व-आविर्भाव शाकनाशियों का प्रयोग नहीं किया गया है, तो बुआई के 5-10 दिन बाद खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए प्रारंभिक आविर्भाव-पश्चात रेडी मिक्स बेंसल्फुरोन-मिथाइल + प्रीटिलाक्लोर दानेदार शाकनाशी (लोंडाक्स पॉवर / एरेस स्ट्रॉन्ग) 4 किलोग्राम / एकड़ दर से 4 किलोग्राम रेत में मिलाकर प्रयोग करें या बुआई के 10-12 दिन बाद बाइस्पिरीबैक-सोडियम (नोमिनीगोल्ड) 120 मिली/एकड़ दर से या खरपतवारों के 2-3 पत्ती अवस्था में पानी में मिलाकर छिड़काव करें या बुआई के 15-20 दिन बाद पेनोक्सुलम 1.02% + साइहालोफोप बुटाइल 5.1% (विवाया) 800 मिली/एकड़ दर पर 140 लीटर पानी में मिलाकर प्रयोग करें।*
- *दौजी निकलने की अवस्था में आधारी खुराक के रूप में प्रति एकड़ 26 किलोग्राम यूरिया का टॉप ड्रेसिंग करें।*
- *पीला तना छेदक कीटों की निगरानी लगातार की जानी चाहिए। जब पीला तना छेदक के नर कीट 4 या 5 प्रति जाल हो जाएं, तो एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित 800 मिली/एकड़ दर से ईसी घोल छिड़काव करें या क्लोरानट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा / एकड़ रेत में मिलाकर 1:1 अनुपात में प्रयोग करें या 200 लीटर पानी में क्लोरानट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली / एकड़ दर से का छिड़काव करें।*
- *प्रध्वंस संक्रमण के मामले में, नियंत्रण हेतु कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 2 ग्राम प्रति लीटर दर से छिड़काव करें या ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 25% +टेबूकोनाजोल 50% 0.4 ग्राम प्रति लीटर दर से छिड़काव करें या इडिफेनफोस 50 ईसी 200 मिली प्रति एकड़ दर से 200लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।*